an>

Title: Need to discuss rising incidents of communal riots, violence and polarization in various parts of the country.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : अध्यक्ष महोदया, मैं और मेरे साथी सुबह साढ़े दस बजे आप से मिल कर, "Rising incidents of communal riots, violence, and polarisation which is affecting the life and security of the people in various parts of the country", इस विषय के बारे में हम आप से चाहते थे कि एडजर्नमेंन्ट मोशन को ले कर चर्चा के लिए हमें अवसर दें, समय दें। आपने कहा कि इस विषय को जीरो अवर में उठाइए, आप इसे एडजर्नमेंट मोशन के रूप में नहीं दे सकते हैं। लेकिन, इस सदन में बहुत बार, आपको भी मालूम है, सभी माननीय सदस्यों को भी इसके बारे में जानकारी है कि कई बार जो महत्वपूर्ण विषय होते हैं - देश हित में, देश की एकता के बारे में, देश के धर्मनिरपेक्ष तत्व के बारे में और जहां-कहीं भी लॉ एंड ऑर्डर की समस्या होती है, दंगे-फसाद होते हैं, धर्म-अधर्म में झगड़े लगाए जाते हैं और हर जगह जो अट्रोसिटिज होती हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : उन्होंनें किसी के बारे में कुछ नहीं कहा है। कृपया आप सभी चुप रहिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : अध्यक्ष महोदया, आपने यहां आते ही यह संदेश दिया था कि विश्व में शांती होनी चाहिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सदन में भी शांति होनी चाहिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : अध्यक्ष महोदया, भारत में उसकी बहुत जरूरत है। भारत में शांति बनाए रखना, हम सब का फर्ज है। लेकिन, क्या बात है कि इस सरकार के अस्तित्व में आने के बाद हर जगह दंगे फैल रहे हैं। ...(व्यवधान)

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : आप आरोप नहीं लगा सकते हैं। ...(व्यवधान) कोई दंगा नहीं हुआ है।...(व्यवधान) मैडम, ऐसे कैसे कह सकते हैं।...(व्यवधान) I refute it. ...(*Interruptions*) They are frustrated. ...(*Interruptions*) This is not the way to misuse an opportunity given in the House....(*Interruptions*) यह बहुत आपत्तिजनक आरोप है।...(व्यवधान) देश में शांति है। ...(व्यवधान) सदन में भी शांति होनी चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सभी बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़, आप सब बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय खड़गे जी, अगर विशेष तौर पर कहीं कुछ हुआ हो तो बताइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप पूरे देश की बात मत कीजिए। अगर कहीं कुछ दंगा हुआ है तो बताइए, नहीं तो आपकी बात हो गई है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने ऐलाऊ नहीं किया है। प्लीज़, आप बैठिए। आप नहीं बोलेंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : सारे देश में ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सारे देश में नहीं, आप कहां की बात करना चाहते हैं, वह बताइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय खड़गे जी, कहां दंगा हुआ, वह जगह बताइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : बहुत जगह दंगे हो रहे हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप दो-चार जगह बताइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : जो दंगे हो रहे हैं, उनके पीछे कौन है।...(व्यवधान) उनके पीछे किसका हाथ है।...(व्यवधान) कौन दंगे करवा रहा है।...(व्यवधान) इसके बारे में यहां चर्चा हो।...(व्यवधान) उस चर्चा के लिए आप समय दीजिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : उसके लिए आप नोटिस दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : सारी पार्टीज के लोग इस विषय पर बोलना चाहते हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप पहले नोटिस दीजिए, बाद में देखेंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : इस पर समय फिक्स कीजिए। इस चर्चा को अभी लीजिए।...(व्यवधान)

हम तैयार हैं। ...(व्यवधान) हम आपसे यही कहना चाहते हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्रीमती ज्योति धुर्वे।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती ज्योति धुर्वे (बैतूल) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : मैडम, यहां विपक्ष के नेता और अन्य बहुत से सदस्य भी अनुभवी हैं। ऐसे कभी नहीं होता। देश में शान्ति है। जनता सुखी है। ...(व्यवधान) कुछ लोग पोलीटिकली दुखी हैं तो हम क्या करें। ...(व्यवधान) मेरा इतना ही कहना है कि हम हरेक विषय के बारे में...(व्यवधान) हमने आपकी बात सुनी है, आपको भी सुननी चाहिए। प्लीज़, शान्ति रखिए।...(व्यवधान) मैडम स्पीकर, हमने शुरू में कहा कि कोई भी सदस्य सदन में कोई विषय उठाना चाहता है तो उसके लिए एक पद्धति है।...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (आज़मगढ़) : अध्यक्ष महोदया, यह गलत बात है।...(व्यवधान) हमें भी बोलने के लिए दो मिनट दीजिए।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : मुलायम सिंह जी, ...(व्यवधान) आप पहले बोलिए।...(व्यवधान) मैं कह रहा हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : पप्पू जी, मैं आपको वार्न कर रही हूं। आप अपनी जगह पर जाइए। आपका कोई विषय नहीं है। आपका कोई नोटिस नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shri Rajesh Ranjan, please go back to your seat.

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Madam, this is not the way. It is a sweeping allegation which has been made. I condemn the allegation....(*Interruptions*) Some people are unhappy because the country is safe and secure under the leadership of Shri Narendrabhai Modi....(*Interruptions*)

Re: Need to discuss rising incidents of communal riots, violence, and polarization in various parts of the country

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Sir, since morning we have been raising the issue of Adjournment Motion. The hon. Speaker told that she will consult with the Government, come back and inform the House. We want to know about the decision because unless that subject is taken up or the problem is solved, it will be very difficult for us to participate in the debate. Therefore, I request you, in the interest of smooth running of this House, to agree for discussion today or at least tomorrow so that we can discuss the issue pertaining not only to minorities but also the violence that is going on against them across the country. We also want to know the response of the Government in this regard.

When we would have a discussion on it, many incidents will come up. It is not as Mr. Naidu told us, 'what is happening, where it is happening'. I do not want to create any controversy again by repeating all those things. While discussing this issue, we, other party leaders and they themselves would know about it. They can reply on the issue in a better manner as to where it happened, why it happened, who is responsible, who is not responsible. We have got certain statistics, which they will try to revert. Therefore, kindly allow a discussion on it. We have also submitted a letter and I think you would be kind enough to take this up.

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Hon. Chairman, Sir, I do not have the habit of standing when some senior hon. Member is speaking. That is why, in spite of your looking at me, I was just sitting and waiting for Mr. Kharge to complete his submission because he is also a senior leader of the larger Opposition Party.

HON. CHAIRPERSON: It is a good habit.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, I have made it very clear that the Government is ready to discuss each and every issue provided if it fits within the rules of the House. Let the Congress leader or anybody give a proper notice. Let the Chair go through it. If the Chair decides that there is a need to discuss about communal violence across the country or different parts of the country or some parts of the country or in whatever manner the Motion is drafted, we can have a meaningful discussion on it.

My only plea to all parties, including the Congress Party is that – you have been in powers for years, I am not criticizing on that account – we have to transact the business of the House. Please allow the Question Hour to run and whatever is listed in the business, let it also be taken up. Then, if you give a notice, let the Speaker admits it. If the Government is willing to accept it, we will also participate in the debate. There should not be any problem on that count.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : The question is whether the Government is going to accept it for a debate and at what time? If that is told, we are ready to cooperate. There is no problem. ...(*Interruptions*)

Sir, as you have suggested, I have already met the Speaker and discussed with her for nearly 15 to 20 minutes. She also agreed. The only thing is that the Government should agree. Then only, she can take it.

HON. CHAIRPERSON : Shri Kharge, what the hon. Speaker has informed is that the notice she has disallowed was a notice for an Adjournment Motion, but notices for discussion under Rule 193 have been received and the BAC will decide the date. That is what she has informed.

...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : Hon. Chairperson, Sir, already the BAC has met yesterday.

14.06 hrs (Hon. Speaker *in the Chair*)

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बोलिए खड़गे जी।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम, हम बिज़नस एडवाइज़री कमेटी की बात कर रहे थे। बिज़नस एडवाइज़री कमेटी तो कल हो गई है। यह मैटर अरजेंट है, इंपॉर्टेंट है, आपकी सहमति की जरूरत है, इसीलिए अगर आज नहीं होता है तो कल तो आप कर दीजिए। इसके लिए हम आपको धन्यवाद अर्पित करते हैं।

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, जैसा कि आपको मालूम है कि आज और कल का हमारा बिज़नस लगा हुआ है। आप नोटिस दिजिए क्योंकि एट्रोसिटीज़ का भी मामला हम सब ने मिल कर के तय किया है, वह दोनों होने दो और अगर इसी वीक में फ्राइडे को होता है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। हम इसको बिल्कुल दे देंगे। मैंने आपको एश्योर किया है। ये दोनों विषय हो जाएं। फिर तीसरा विषय आपका ले लेंगे। आप ठीक तरीके से नोटिस दे देना। आप ऐसा मत करिए कि मैं आज बोलूं या कल बोलूं। इतना तो विश्वास कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : हमें आप पर जितना विश्वास है, सरकार पर उतना विश्वास नहीं है। इस सदन का संरक्षण करने वाली आप ही हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप भी जानते हैं कि कल हम सबने मिल कर तय किया है। आज एक तो सेबी वाला बिल है और एट्रोसिटीज़ वाला मामला भी हमने लिया है। अगर कल वह पूरा हो जाता है तो फ्राइडे को तुरंत आपका विषय ले लूंगी। मुझे उसमें कोई आपत्ति नहीं है। आप इतना एग्री करो। Please agree to this.

â€¦(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: We agree that there may be a discussion. सेबी के लिए तो हम कोऑपरेट कर रहे हैं। लेकिन कम से कम आप फ्राइडे का दिन फिक्स कर दीजिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ये दोनों विषय पूरे होते ही मैं वह विषय ले लूंगी।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : अध्यक्ष महोदया, मैं उनकी भावना समझ रहा हूँ। एजेंडा में जो है, उसको पूरा होने दीजिए। एडमिट होने के बाद हम उस पर भी चर्चा करने को तैयार हैं। मैं खड़गे जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने आपके ऊपर विश्वास व्यक्त किया। मगर उनके नेता ने बाहर अविश्वास प्रकट किया है। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: It is okay.

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : नायडु जी, ऐसा कभी-कभी आपके स्वभाव से महसूस होता है। ...(व्यवधान) हमारे साथ आपका जो बर्ताव है, उससे यह मुश्किल हो जाती है।

मैडम, आप उधर ज्यादा मत देखिए। संख्या कम हो सकती है, लेकिन इधर भी देखिए।

माननीय अध्यक्ष : आप भी उतने ही देखने समझने लायक हैं। मैं बिल्कुल दोनों तरफ देखूंगी। अब बात हो गई है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Now, please let the House go on.

SHRI E. AHAMED (MALAPPURAM): Madam Speaker, may I just remind you that there are well established conventions of this House as to how, in such a situation, it is to be taken and how it is to be sorted out? We, of course, have to follow the rules and regulations. I do agree that rules have to be followed. In such situations, these should have been avoided. How should they have been avoided? As the hon. Speaker, you are of course cooperating. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : मैंने कुछ गलत तो नहीं किया।

SHRI E. AHAMED : You have to take the sense of the House also. If you give an opportunity to leaders of various parties, it would have been solved then and there. It should not have been delayed like this. We have well established conventions in this House, which have to be followed. That is the reason why we have these conventions.

माननीय अध्यक्ष : कृपया, अब आप बात मत बढ़ाइये। आई एम सॉरी। अब आप कुछ मत सिखाओ, बात मत बढ़ाइये। बहुत ज्यादा नहीं तो भी थोड़ा-बहुत तो मैं भी समझती हूँ, थोड़े-बहुत साल यहाँ मैंने भी गुजारे हैं, मैं समझती हूं।

नियम 377 में जो आपने दिया हुआ है, केवल वही जल्दी से पढ़ना है।

श्रीमती ज्योति धुर्वे : माननीय अध्यक्षा जी, आपने मुझे शून्य काल में एक महत्वपूर्ण विषय उठाने का अवसर दिया, इसके लिए धन्यवाद।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : हम सदन में चर्चा करने के लिए तैयार हैं।...(व्यवधान) लेकिन उसे रूल के अनुसार करना चाहिए।...(व्यवधान) जब आपका मूड हो तब चर्चा की जाए, क्या ऐसे होता है। आप अनुभवी हैं। इतने साल सरकार चलाई है। ...(व्यवधान) शान्ति से सुनिए। रूल के हिसाब से नोटिस दीजिए। नोटिस एडमिट होने के बाद हम चर्चा के लिए तैयार हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप नोटिस दीजिए। चर्चा करवाएंगे।

â€¦(व्यवधान)

12.14hrs

At this stage, Shri Rajeev Satav, Shri Dharmendra Yadav, Shri Rajesh Ranjan and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table